



Mr.Akash kumar Singh



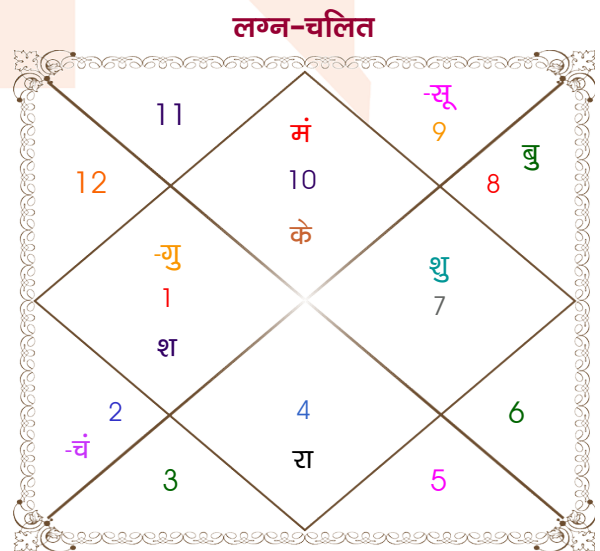
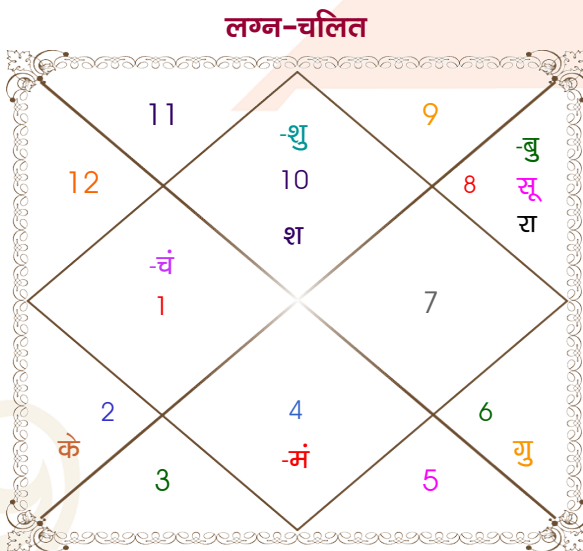
Ms. Sakshi kumari Singh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119606213

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/12/1992 : _____ जन्म तिथि _____ 21/12/1999
 सोमवार : _____ दिन _____ मंगलवार _____
 घंटे 10:15:00 : _____ जन्म समय _____ 09:30:00 घंटे
 घटी 10:26:56 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 08:14:49 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Kolkata : _____ स्थान _____ Gopalganj
 22:34:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 26:28:00 उत्तर
 88:21:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 84:26:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:23:24 : _____ स्थानिक संस्कार _____ 00:07:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 06:04:13 : _____ सूर्योदय _____ 06:35:54
 16:52:07 : _____ सूर्यास्त _____ 17:04:23
 23:45:46 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:09

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 14वर्ष 3मा 16दि		22:48:30	मक	लग्न	मक	18:36:51	चन्द्र 7वर्ष 11मा 26दि	
मंगल		21:34:34	वृश्चि	सूर्य	धनु	04:58:16	राहु	
25/03/2023		17:08:11	मेष	चंद्र	वृष	12:40:46	17/12/2014	
25/03/2030		03:23:30	कर्क व	मंगल	मक	25:19:25	17/12/2032	
मंगल	21/08/2023	01:03:23	वृश्चि	बुध	वृश्चि	20:43:33	राहु	29/08/2017
राहु	08/09/2024	16:52:03	कन्या	गुरु	मेष	01:09:27	गुरु	23/01/2020
गुरु	15/08/2025	04:25:23	मक	शुक्र	तुला	24:05:42	शनि	29/11/2022
शनि	24/09/2026	20:15:48	मक	शनि व	मेष	16:52:56	बुध	17/06/2025
बुध	21/09/2027	27:45:21	वृश्चि व	राहु व	कर्क	10:17:37	केतु	06/07/2026
केतु	17/02/2028	27:45:21	वृष व	केतु व	मक	10:17:37	शुक्र	06/07/2029
शुक्र	18/04/2029	22:29:57	धनु	हर्ष	मक	20:24:59	सूर्य	30/05/2030
सूर्य	24/08/2029	23:42:12	धनु	नेप	मक	08:57:09	चन्द्र	29/11/2031
चन्द्र	25/03/2030	29:58:56	तुला	प्लूटो	वृश्चि	17:11:21	मंगल	17/12/2032



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr.Akash kumar Singh का वर्ग मृग है तथा Ms. Sakshi kumari Singh का वर्ग गरुड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Akash kumar Singh और Ms. Sakshi kumari Singh का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Akash kumar Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Sakshi kumari Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुण्डली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का



FUTUREPOINT
Astro Solutions



मंगल हो तब मंगली दोष समाप्त समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Sakshi kumari Singh कि कुण्डली में सप्तम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Akash kumar Singh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Akash kumar Singh तथा Ms. Sakshi kumari Singh में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।